गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा

(.राज)

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

हिंदी

तृतीय सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC- I

(HIN6556T)

व्यावहारिक हिंदी अनुवाद

इकाई I

- अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकृति,
- अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व,
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिकप्रदान में -सांस्कृतिक आदान-कार्य की भूमिका - अनुवाद,
- अनुवाद के प्रकार शब्दानुवाद -, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद

इकाई II

- अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरणविश्लेषण -, अंतरण एवं पुनर्गठन
- अनुवाद की भूमिका (ग्रहण की-अर्थ) पाठक की भूमिका -, द्विभाषिक की भूमिका अर्थ सम्प्रेषण) एवं रचयिता की भूमिका (प्रक्रिया - अर्थांतरण की) (की प्रक्रिया
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ,

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर, गद्यानुवाद और काव्यानुवाद में अन्तर

इकाई III

- कार्यालयीन अनुवाद 3 राजभाषा नीति के अनुपालन में धारा :(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेजों का अनुवाद)शासकीय पत्र अर्धशासकीय पत्र / / प्रस्ताव-संकल्प /अधिसूचना /कार्यालयीन आदेश/ ज्ञापन / परिपत्र / निविदाहिन्दी से अंग्रेजी) विज्ञापनव्यावहारिक अनुवाद / संविदा-, अंग्रेजी से हिन्दी (

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. अनुवाद विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. अनुवाद-सुधा (भाग-1) - डॉ. अच्युत शर्मा (संपा.), शब्दभारती, गुवाहाटी ।
3. अनुवाद-सुधा (भाग-2) - डॉ. अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. प्रयोजनिक हिन्दी - डॉ. बालेंदु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
6. राजभाषा हिन्दी - डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
7. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण -प्रो० विराज, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली ।
8. व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण - डॉ. अमूल्य बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी ।
9. कार्यालय सहायिकारू हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बांसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा

(.राज)

त्रिवर्षीय स्नातक तीन मुख्य)विषयों के साथ(

हिंदी

चतुर्थ सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC - II

(HIN6557T)

कार्यालयी हिंदी

इकाई -1 : कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य, क्षेत्र

- अभिप्राय तथा उद्देश्य
- कार्यालयी हिंदी का क्षेत्र
- सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी :संबंध तथा अंतर
- कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएँ

इकाई -2 : कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

- सामान्य परिचय
- कार्यालय से निर्गत पत्र ज्ञापन), परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि (
- रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
- आवेदनलेखन-

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

इकाई -3 : टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपणतथा कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा शैली
- प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि
- संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि
- उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न
- कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम तथा अनुभाग के नाम
- मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वालेसंबोधन, निर्देश आदि
- औपचारिक पदावलियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार की जाएगी) अभिव्यक्तियाँ /

सहायक ग्रंथ

- प्रयोजनमूलक हिंदी - माधव सोनटक्के
- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
- प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका– कैलाशनाथ पाण्डेय
- प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी कृष्ण कुमार गोस्वामी -
- प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग :- दंगल झाल्टे

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बांसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा (.राज)

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

हिंदी

पंचम सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC- III

(HIN7558T)

सृजनात्मक लेखन

इकाई-1 रचनात्मक लेखन अवधारणा :, स्वरूप एवं सिद्धांत

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र साहित्य :, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ

जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रूप लिखित - मौखिक :, गद्यपद्य-, कथात्मक कथेतर नाट्य पाठ्य -

बाललेखन-प्रौढ़लेखन, मुद्रित इलेक्ट्रॉनिक आदि। -

इकाई-2 :

(क (रचनात्मक लेखन संदर्भ - भाषा :एवम विविधविधाओं की आधारभूत संरचनाओंका व्यावहारिक अध्ययन

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

अर्थ निर्मिति के आधार मीमांसा-शब्दार्थ :, शब्द के प्राक् प्रयोग, नव्यप्रयोग-, शब्द की

व्याकरणिक कोटि

भाषा की भंगिमाएँ अनौपचारिक-औपचारिक :, मौखिक लिखित -, मानक

भाषिक संदर्भ क्षेत्रीय :, वर्गसापेक्ष-, समूह सापेक्ष -

(ख) रचनात्मक लेखन विश्लेषण - कौशल - रचना :

रचनाशक्ति-शब्द : सौष्ठव-, प्रतीक, बिम्ब, अलंकरण और वक्रताएँ

(कसंवेदना : कविता, काव्यरूप, भाषासौष्ठव-, छंद, लय, गति और तुक

(खवस्तु : कथासाहित्य (, पात्र, परिवेश एवं विमर्श

(गवस्तु : नाट्यसाहित्य (, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

(घनिबंध : विधाएँ - -विविध गद्य (, संस्मरण, व्यंग्य आदि

(ड (.बालसाहित्य की आधारभूत संरचना

इकाई 3: सूचना तंत्र के लिए लेखन -

प्रिंट माध्यम लेखन - फीचर :, यात्रा वृत्तांत -, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा आदि। -

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो :, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन।

सहायक ग्रंथ :

- साहित्य चिंतन रघुवंश - रचनात्मक आयाम :
- शैली – रामचंद्र मिश्र
- रचनात्मक लेखन - संपारमेश गौतम .

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

- कला की जरूरत - अर्न्स्ट फिशर, अनुरमेश उपाध्याय .
- साहित्य का सौंदर्यचिंतन रवींद्रनाथ श्रीवास्तव -
- सृजनशीलता और सोंदर्यबोध - निशा अग्रवाल
- कवितारचना-प्रक्रिया - कुमार विमल
- समकालीन कविता में छंद - अज्ञेय
- कविता से साक्षात्कार - मलयज
- कविता क्या है विश्वनाथप्रसाद तिवारी -
- एक कवि की नोटबुक राजेश जोशी -
- हिंदी साहित्य का छंदविवेचन - गौरीशंकर मिश्र द्विजेंद्र
- अलंकार विकास और विश्लेषण : धारणा -- शोभाकांत मिश्र
- उपन्यास की संरचना ग -ोपाल राय
- उपन्यास सृजन की समस्याएँ शमशेरसिंह नरूला -
- हिंदी कहानी का शैली विज्ञान बैकुंठनाथ ठाकुर -
- रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
- पत्रकारी लेखन के आयाम - मनोहर प्रभाकर
- सर्जक का मन -नंदकिशोर आचार्य
- शब्द क्ति विवेचनश - - रामलखन शुक्ल
- राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन - एचकीटिंग .एफ.आर.

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा (.राज)

त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

हिंदी

षष्ठ सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

SEC - IV

(HIN7559T)

भाषा शिक्षण-

इकाई-1 : भाषा शिक्षण की अवधारणा - एवं आधारभूत संकल्पनाएँब्रूनर .एस.जे -, वाईगोत्स्की, हिलगार्ड, पियाजे

- भाषा शिक्षण अभिप्राय तथा उद्देश्य :
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण, प्रशिक्षण, अर्जन और अधिगम
- प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना (द्वितीय एवं विदेशी)
- मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा (राजस्थान)

इकाई -2 : हिंदी शिक्षण

- भाषा कौशल - सुनना, बोलना, पढ़ना लिखना
- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण स्कूली शिक्षा), उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा
- द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण
- विदेशी भाषा के रूप में भारत तथा विदेशों में हिंदी भाषा शिक्षण

इकाई -3 :भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

सहायक ग्रंथ

- भाषा शिक्षण -रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष - संपाअमर बहादुर सिंह .
- भाषा शिक्षण तथा भाषाविज्ञान-- संपाब्रजेश्वर वर्मा .
- हिंदी शिक्षण अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य : - संपासतीश कुमार रोहरा ., सूरजभान सिंह
- हिंदी भाषा शिक्षण - भोलानाथ तिवारी
- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान रवींद्रनाथ श्रीवास्तव .संपा -, भोलानाथ तिवारी, कृष्ण कुमारगोस्वामी
- Focus Group Papers on Teaching of Indian Languages : NCERT, 2005

राजेश जोशी
कुलसचिव
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बांसवाड़ा (राजस्थान)